स्नातक स्तर पर अध्यनरत दिव्यांग तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

उमेश सिंह

उपासना तिवारी

प्रस्तुत शोध अध्ययन का प्रमुख उद्‌देश्य 'स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् दिव्यांग तथा सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन का तुलना करना था। प्रस्तुत शोध कार्य के लिये शोधार्थी ने लखनऊ शहर के महाविद्यालयों में अध्ययनरत् बी0ए0 प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों (50 दिव्यांग विद्यार्थी तथा 50 सामान्य विद्यार्थीयों) का चयन किया। शोधार्थी ने विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया। प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। ऑकड़ों का संकलन करने के लिये समायोजन मापन हेतु प्रो0 डी0एन0 श्रीवास्तव तथा डा0 गोविन्द तिवारी द्वारा निर्मित मापनी श्जीम Adjestment inventory (for Graduate and Post Graduate student only) का प्रयोग किया गया परिकल्पनाओं के आधार पर शोधार्थी द्वारा यह निष्कर्ष निकाला गया कि स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् दिव्यांग तथा सामान्य विद्यार्थीयों के समायोजन में सार्थक अन्तर पाया गया है। ऑकड़ों के विश्लेषण के लिये स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् दिव्यांग व सामान्य विद्यार्थियों के समायोजन की तुलना के लिये ब् त्ण द्वारा सार्थकता स्तर 0.05 तथा 0.01 के मान से तुलना की गई।